THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI R. JANARTHANAN): (a) to (c) The Hon'ble Supreme Court of India in its judgement delivered on 14th August, 1989 in the case regarding nomination of officer employee directors on the Boards of public sector banks had observed that the nomination of the officer employee director should be made in such a way as to give maximum scope to the concerned employees to exercise their choice in the selection of their representatives. Nominations have been made in accordance with the aforesaid judgement of the Supreme Court of India.

आम चुनाव कराने पर होने वाले व्यय में वृद्धि

*489. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया**:

श्रीमती शबाना आज़मी:

क्या विभि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में आम चुनाव कराने पर होने वाले व्यय में निरंतर वृद्धि हो रही है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा गत पांच आम चुनावों में प्रत्येक चुनाव पर कितना-कितना व्यय किया गया; और

(ग) वर्ष 1998 के दौरान आम चुनाव कराने पर कितना व्यय किया गया तथा व्यय में वृद्धि होने के मुख्य कारण क्या हैं?

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्री (श्री एस. थम्बी दुरई): (क) जी, हां। तथपि, 1998 के साधारण निर्वाचनों पर अनंतिम व्यय न्यूनाधिक वही है जो 1996 के निर्वाचनों पर हुआ था।

(ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा, गत पांच साधारण निर्वाचनों के दौरान, उपगत व्ययों के अंतिम आंकड़े निम्नलिखित हैं:—

क्रम सं.	वर्ष	अनंतिम व्यय
1.	1984	81,51,34,000
2.	1989	154,22,00,000
3.	1991	359,10,24,679
4.	1996	597,34,41,000
5.	1998	525,22,16,000

महाराष्ट्र और आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकारों से निर्वाचन व्यय संबंधी आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं।

(घ) इस विभाग में उपलब्ध अनंतिम व्यय आंकड़ों के अनुसार, 525,22,16,000 रु. की राशि (माहाराष्ट्र और आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकारों की बाबत आंकड़ों को छोड़कर) 1998 के साधारण निर्वाचनों के संचालन पर व्यय की गई थी। पिछले वर्षों से निर्वाचन व्यय की लागत में वृद्धि के कारण रहे हैं, साधारण कीमत वृद्धि निर्वाचन लड़ने वालों और मतदाताओं की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि जिसके फलस्वरुप मत पेटियों, मतदान केन्द्रों और अन्य निर्वाचन सामग्रियों पर किए जाने वाले व्यय में वृद्धि हुई है। तथापि, 1996 के साधारण निर्वचानों की तुलना में 1998 के साधारण निर्वचानों पर हुए व्यय में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है।

Assistance from International' Financial Agencies to NHAI

*490. SHRI V. KISHORE CHANDRA S. DEO: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) the quantum of loans and finances made available from international, finan cial agencies to National Highways Au thority of India (NHAI);

(b) whether National Highways Au thority of India is making use of such funds;

(c) whethir it is a fact that modem and people-friendly designs for road develop-tnentiiave not been adopted by NHAI; aiid

(d) the steps taken to ensure that NHAI uses latest design for road de-velppment in Andhra Pradesh?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS AND THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI M. THAMBI DURAI): (a) and (b) National Highways Authority